बिहार विधान-सभा वादवृत्त

बृहस्पतिवार, तिथि ९ अप्रील, १९६४।

भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में बृहस्पतिवार, तिथि ९ अप्रील १९६४ को पूर्वाह्न ११ बजे अध्यक्ष डा० लक्ष्मी नारायण सुधांशु के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

अल्प-सूचित प्रश्न संख्या ८९ के सम्बन्ध में।

*श्री वीर चन्द पटेल— सभी माननीय सदस्य की इच्छा होती है कि वे अल्प-सूचित प्रश्न वे दें और उनकी यह अन्डरस्टैंडिंग रहती है कि समय पर इसमें कारवाई हो जायगी, पर समय पर कारवाई नहीं होने के कारण में क्षमा चाहता हूं।

अध्यक्ष— माननीय सदस्य और माननीय मंत्री में जो प्राइवेट बात होती है वह तो सदन के लिए लागू नहीं है।

*श्री रामानन्द तिवारी—अध्यक्ष महोदय अब तारांकित प्रश्न लेने का समय समाप्त हो गया है इसलिये अल्प सूचित प्रश्न ही के द्वारा प्रश्न पूछा जा रहा है।

अध्यक्ष— जो पहले वाला प्रश्न है वह तो रहेगा ही।

सूद की माफी।

९०। श्री इन्द्र नारायण सिंह—क्या राजस्व मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि सरकार ने यह निर्णय किया है कि राज्य के जो किसान समय पर सरकारी ऋण चुका देंगे उनका सूद माफ कर दिया जायगा ;

(२) यदि उक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार ने ऋण चुकाने की कौन-सी अन्तिम तिथि निर्धारित की है ?

श्री वीर चन्द पटेल— (१) उत्तर नकारात्मक है पर सरकार ने यह निर्णय किया है कि बकाय मूलधन के बराबर रुपया चुका देने पर बकाये सूद के लिए कोई

(४) गल्ले की दूकानें जरूरत के अनुसार दो से ज्यादा और कम भी खोली गयी हैं और अनाज भी बिक रहा है।

(५) इस सम्बन्ध में आदेश दिया गया है परन्तु अभी वैसी स्थिति नहीं है इसलिये काम चालू नहीं किया गया है। उम्मीद है कि पड़ेयाहाट में सुगाथान डॉड पर इस माह के अन्तर्गत काम प्रारम्भ हो जायेगा।

रुपये का भुगतान।

२५०३। श्री सरयू मिश्र—क्या राजस्व मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि सरकार ने राज्य के बाढ़-पीड़ित विद्यार्थियों को चैरिटेबुल रिलीफ फंड से १९६२ ई० के बाद से दो बार अनुदान दिया है;

(२) क्या यह बात सही है कि कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को १०० रुपया तथा स्कूल में पढ़नेवाले विद्यार्थियों को ५० रु० की दर से अनुदान स्वीकृत की गई है;

(३) यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो मुंगेर जिले के विद्यार्थियों को जिन्हें दूसरी सूची के अनुसार अनुदान दिया गया है; अभी तक रुपये का भुगतान क्यों नहीं किया गया है और इस देर के लिये जिम्मवार व्यक्ति के ऊपर सरकार कौन-सी कार्रवाई करना चाहती है तथा रुपये का भुगतान। विद्यार्थियों को कबतक करने का विचार करती है?

श्री वीरचन्द पटेल—(१) १९६२ ई० से अबतक बाढ़-पीड़ित विद्यार्थियों को दो बार अनुदान दिये गये हैं। एक बार अनुदान बिहार फेमिन चैरिटेबुल रिलीफ फण्ड से दिया गया है और दूसरे बार गवर्नर्स रिलीफ फण्ड से।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) दूसरे बार अनुदान गवर्नर रिलीफ फण्ड से दिया गया था। इस अनुदान का विद्यार्थियों को भेजने के लिये मनिआर्डर का खर्च वहां से नहीं भेजा गया था। विद्यार्थियों को अनुदान शीघ्र मिल जाय इस ख्याल से समाहर्ता को यह आदेश भेज दिया गया है कि अनुदान की रकम में से ही मनिआर्डर कमीशन काट कर भेज दें।

कोयला की बिक्री।

२५१०। श्री कपिलदेव सिंह—क्या मंत्री, आपूर्ति विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) मुंगेर जिले में नियंत्रित दर पर कोयला बिक्री की क्या व्यवस्था है;

(२) अभी मुंगेर जिले के बरियारपुर थाने में कहां कोयला लोगों को मिलता है?